International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157; Impact Factor: RJIF 5.12
Received: 08-10-2020; Accepted: 23-10-2020; Published: 08-11-2020
www.educationjournal.org
Volume 5; Issue 6; 2020; Page No. 33-34

राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओ का योगदान

राजेंद्र कुमार शर्मा
समाजशास्त्र विभाग, कैरीयर पॉइंट यूनीवर्सिटी, कोटा, राजस्थान, भारत

सारांश
यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। भारतीय संस्कृति में नारी सदा ही शक्ति के रूप में पूजनीय रही है। प्राचीन काल से हमारे ऋषियों की मान्यता रही है कि जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते है। चाहे वैदिक काल में नारियाँ रही हो अथवा उन्नीसवीं व बीसवीं सदी की क्रांतिकारी महिलाएं रही हो या आज की राजनीतिक महिलाएं हो, ये सभी नारी शक्ति के विभिन्न रूप है। नारी में ममता, धैर्य, करुणा, दया, प्रेम, त्याग एवं समर्पण ये सभी गुण विधमान है। परन्तु फिर भी महिलाओ को आज भी समाज में उचित सम्मान नहीं मिला है । आज भी उनके साथ अपराध एवं अत्याचार दिनों दिन बढते जा रहे है। ये महिलाओ पर हो रहे अत्याचार राष्ट्र के विकास एवं संस्कृति में बाधक है । महिलाओं के प्रति जो लोगो की खराब सोच, मानसिकता है उसे दूर करके उन्हें देश, समाज एवं राजनीति में उचित सम्मान दिलाया जा सकता है।
महिलाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित कर एवं समान अवसर प्रदान कर महिलाओं को राष्ट्र के विकास में उपयोग किया जा सकता है । भारतीय संस्कृति, राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में नारी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस शोध पत्र के माध्यम से महिलाओं का राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में योगदान की व्याख्या की जा रही है।

मूलशब्द: राष्ट्र के विकास, समाज, राजनीति, महिलाओ, सम्मान, योगदान

प्रस्तावना
एक राष्ट्र के विकास में महिलाओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। कोई भी राष्ट्र तभी विकास कर सकता जब तक की उस देश की नारी जाति देश के विकास में पूर्ण रूप से भागीदार हो। आज की महिला केवल माँ, बहन, बेटी, पत्नी नहीं रही है बल्कि इसके आलावा एक शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष विज्ञानी, वित्मंत्री, मुख्यमंत्री, अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी, सेना में मेजर/ कर्नल, बैंको की प्रबंध निदेशक आदि के रूप में कार्य कर राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में महिलाओ के योगदान का निम्नलिखित आधार पर विवेचन किया जा रहा है :–

परिवार में योगदान: एक महिला का परिवार में महत्वपूर्ण स्थान होता है। एक परिवार को बाँध कर रखने का कार्य एक महिला ही कर सकती है। एक बच्चा जब जन्म लेता है तो उसका सबसे पहला शब्द माँ ही होता है तथा एक बच्चे की प्रथम गुरु माँ ही होती है। एक बच्चे को माँ ही बताती है की क्या अच्छा है तथा क्या बुरा है। एक महिला अपने परिवार में बच्चो को अच्छी शिक्षा देकर राष्ट्र प्रेम, ईमानदारी, मेहनत, जिम्मेदारी की भावना का विकास करती है। एक महिला माँ, बहन एवं पत्नी के रूप में सभी को अपनापन एवं प्रेम प्रदान करती है।

समाज में योगदान: मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा बिना मनुष्य के समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। एक समाज में महिला का महत्वपूर्ण स्थान है। मदर टेरेसा ने पुरे देश में दीन, दुखी, पीडितों की आजीवन निस्वार्थ सेवा कर राष्ट्र के विकास में योगदान दिया जिसके लिए उन्हें भारत के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। बालिका शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए श्रीमती सावित्रीबाई फुले का बहुत बड़ा योगदान है। पर्यावरण संरक्षण के कार्य करने के लिए श्रीमती मेधा पाटकर का बहुत बड़ा योगदान है। समाज सेवा के क्षेत्र में प्रमिला दंडवते एंव डॉ. रंजना कुमारी का भी योगदान रहा है।

खेल के क्षेत्र में योगदान: हमारे देश में खिलाडियों के लिए संसाधनों की बहुत बड़ी कमी है लेकिन इसके बावजूद भी खिलाडी पूरी मेहनत के साथ तैयारी करते है। खेल के क्षेत्र में भारतीय महिला खिलाडियों में गीता फोगट, साक्षी मलिक (रेसलिंग), मिथालीराज (क्रिकेट), दीपिका कुमारी (आर्चरी), दीपा कर्माकर (जिमनास्टिक), तानिया सचदेव (चेस), बूला चौधरी (स्वीमिंग), आकांक्षा सिंह (बास्केटबाल), पी.वी. सिंधु, साईना नेहवाल (बेडमिन्टन), सानिया मिर्जा (टेनिस), मेरीकोम (बोक्सिंग), आदि ने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में हमारे देश का नाम रोशन किया है।

रक्षा एवं पुलिस सेवा के क्षेत्र में योगदान: वर्तमान समय में महिलाएं रक्षा, सशस्त्र बल सेवा एवं पुलिस सेवा में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलकर गर्मी, सर्दी, बारिश में कार्य कर देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। महिलाये रक्षा सेवा में मेजर/कर्नल, सशस्त्र बल सेवा में कमांडेंट एवं पुलिस सेवा में कोंस्टेबल,निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक आदि पदों पर कार्य कर राष्ट्र के विकास में योगदान कर रही है । इसका सबसे बड़ा उदाहरण भारत की प्रथम महिला रक्षा सेवा में डा. पुनीता अरोडा, डा. पद्मा बंधोपाध्याय रही है एवं पुलिस सेवा में प्रथम महिला आई. पी.एस. अधिकारी किरण बेदी को श्रेष्ठ कार्य के लिए मेग्सेसे पुरस्कार दिया गया।

साहित्य, फिल्म एवं कला के क्षेत्र में योगदान: साहित्य के क्षेत्र में महिलाओ का बहुत बड़ा योगदान रहा है इनमे सरोजनी नायडू, महादेवी वर्मा, अरुंधती रॉय, अनीता देसाई, शोभा डे आदि लेखिकाएं है। अरुंधती रॉय को उनके उपन्यास के लिए प्रसिद्ध बुकर पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। इसमें ऐश्वर्या रॉय, सुस्मिता सेन, लतामंगेशकर, श्रेया घोशाल, त्रिपुरारी शर्मा, शोभा

नारायण, अर्पणा कौर आदि का महत्वपूर्ण योगदान है।

वाणिज्य एवं उधोग के क्षेत्र में योगदान: वाणिज्य एवं उधोग के क्षेत्र में महिलाओ ने काफी योगदान दिया हैः वर्तमान में हमारे देश की वित मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण है। आई.सी.आई.सी. आई. बैंक की सी.एम.डी. श्रीमती चंदा कोचर रही है। बहुत सी महिलाये देश में बैंको एवं प्रसिद्ध ओद्योगिक कंपनियों में निदेशक की भूमिका निभा रही है।

चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में योगदान: चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. जयन्ती दत्ता, श्रीमती असीमा चटर्जी, श्रीमती मंगला नर्तिकर, कमला सोहोनी, जानकी अम्मल तथा आनंदी बाई जोशी ने काफी योगदान दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कल्पना चावला, वन्दना शिवा, तथा डॉ. टेसी थॉमस ने अग्नि–5 मिसाईल के परीक्षण का प्रतिनिधित्व करके विज्ञान के क्षेत्र में योगदान देकर मिसाईल–वुमेन कहलायी।

राजनीति के क्षेत्र में योगदान: राजनीति के क्षेत्र में महिलाएं काफी योगदान दे रही है लेकिन अभी भी इनकी देश एवं राज्य की राजनीति में संख्या बहुत कम है, लेकिन ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिकाओं में महिलाओ की संख्या में दिनो दिन वृधि हो रही है। महिलाओ के जीवन में बहुत सारी परेशानियां आती है लेकिन उससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि उन समस्याओं को दूर करने का रास्ता ढूँढना चाहिए। वर्तमान समय में महिलाएं अपने घर में भी कुशलतापूर्वक कार्य करती है तथा राजनीति/समाज/सरकारी सेवा में भी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही है। फिर भी राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करते हुए महिलाओ को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जैसे कि पार्टी में, मंत्रिमंडल एवं संगठन में उचित सम्मान एवं पद नहीं मिलना, कम महत्व के कार्य देना, महिलाओ का अशिक्षित होना, महिलाओ की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होना, राजनीति में पुरुषों का अधिकार होना, समाज में बदनामी का डर होना आदि। फिर भी हमारे देश की महिलाये राजनीति में अपनी स्वंय की इच्छाशक्ति के साथ कार्य करती हुई आगे बढ़ रही है। उपरोक्त परेशानियों का सामना करते हुए हमारे देश की प्रसिद्ध राजनीतिक महिलाये राजनीति में आयी एवं राजनीतिक क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य किया जैसे कि प्रथम महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी, प्रथम महिला लोकसभाध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार, प्रथम महिला राज्यपाल श्रीमती सरोजनी नायडू, प्रथम महिला उपराज्यपाल श्रीमती किरण बेदी एवं राजस्थान में प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह, प्रथम महिला मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, श्रीमती कमला आदि। वर्तमान में श्रीमती निर्मला सीतारमण, श्रीमती स्मृति ईरानी, श्रीमती ममता बनर्जी, श्रीमती सोनिया गाँधी, श्रीमती मेनका गाँधी, श्रीमती प्रियंका गाँधी, श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया आदि महिलाये देश एवं राज्य की राजनीति में शानदार भूमिका निभा रही है। इनके अलावा देश में काफी महिलाये अपनी स्वंय की इच्छाशक्ति से राष्ट्र के विकास एवं राजनीति में कुशलतापूर्वक योगदान कर रही है।

महिलाओं के द्वारा राजनीति एवं समाज में सक्रीय भागेदारी के उपाय

हमें समाज में ऐसे निम्न उपाय करने चाहिए जिससे कि महिलाये राजनीति एवं समाज में अपनी इच्छाशक्ति के साथ सक्रीय भागीदार बने

1. महिलाओ को ग्रेजुएशन के लेवल तक अनिवार्य रूप से मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाये ।
2. महिलाओ को पति, परिवार एवं समाज की तरफ से पूर्ण सहयोग एवं सम्मान मिले ।
3. ग्राम पंचायतो नगरपालिका, विधानसभा एवं लोकसभा के चुनावो में भाग लेना अनिवार्य किया जाये ।
4. आर्थिक स्तर में वृधि के लिए उचित रोजगार के अवसर देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाये ।
5. राजनीति में महिलाओ को सम्मानजनक स्थान प्रदान किया जाना चाहिए ।
6. महिलाओ को उनकी सुरक्षा के लिये प्रशिक्षण एंव पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए ।

निष्कर्ष

नारी ईश्वर की एक श्रेष्ठ कृति है। ये राष्ट्र के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे सकती है। लेकिन हमे महिलाओं पर हो रहे अपराध, अत्याचार तथा भेदभाव को रोकना होगा। जिस दिन से हमारे देश का प्रत्येक आदमी एक महिला को अपनी बहन और बेटी के रूप में सम्मान देने लग जायेगा उस दिन से ये अपराध एंव अत्याचार खत्म हो जायेंगे। इसके लिये हमे लोगो के विचारों एंव सोंच में बदलाव लाना होगा। इसके लिए अनिवार्य महिला शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिलाओ की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देना, महिलाओ के प्रति सम्मान की विचारधारा बनाने पर जोर, परिवार एवं समाज में सम्मान देना, राजनीति एवं समाज में उचित पद एवं समान अवसर देना होंगा। तभी महिलाओ के साथ हो रहे अत्याचार एवं अपराध मे कमी आयेगी तथा महिलाये राष्ट्र के विकास, समाज एवं राजनीति में पूरा योगदान दे पायेगी ।

संदर्भ

1. मिश्रा मंजु, ''भारत की महान नारियां'', शिव बुक डिपो, जयपुर,
2. सारस्वत स्वपनिल, ''भारतीय, समाज राजनीति एंव महिलायेंः दशा एंव दिशा'', राघा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. सुनील गोयल, ''भारतीय समाज में नारी'', आर.बी.एम.ए. पब्लिकेशन, जयपुर, 2003
4. कोठारी रजनी ''भारत में राजनीति'' ऑरियन्ट लॉगमैन लि0, नई दिल्ली, 1990
5. चेतन मेहता, ''महिला एवं कानून'', आशीष पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1996
6. www.wikipedia.org/wiki/list of female/ indiangoverments
7. www.google.co.in/women in India/